International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 1, January 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

'शिकोहाबाद' जिला फिरोजाबाद के अवकाश–प्राप्त व्यक्तियों का पार्श्व परिदृश्य : समाजशास्त्रीय सन्दर्भ में एक अध्ययन

पर्यवेक्षक
डॉ0 सन्तोष कुमार यादव
अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग
जे0एस0 विश्वविद्यालय शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)

देवव्रत यादव
शोधार्थी, समाजशास्त्र विभाग
जे0एस0 विश्वविद्यालय
शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)

समाज विज्ञानों के क्षेत्रीय/अनुभवाश्रित अध्ययनों में सूचनादाताओं की पृष्ठभूमि निष्कर्षों की स्थापना में अहम् भूमिका निर्वाह करती है; जबकि गुडे एण्ड हाट[1] (1956) की मान्यता है कि सामाजिक विषयों के शोध अध्ययनों में चर (Variables) महत्वपूर्ण होते हैं। गुप्ता[2] (2011) के अनुसार सूचनादाताओं की वैयक्तिक पृष्ठभूमि तथा पर्यावरणीय पृष्ठभूमि, समग्र अध्ययन में सापेक्षिक निष्कर्ष प्रदान करती है; लेकिन श्रीवास्तव एस0एस0[3] (2014) ने मलिन बस्तियों के निवासियों की स्वास्थ्य समस्याओं के अध्ययन में लिंग, धर्म, उम्र तथा आर्थिक दशाएं; चरों का उपयोग किया है; वहीं जफरूल इस्लाम[4] (2017) ने कंजर समुदाय के पार्श्वदृश्य सम्बन्धी अध्ययन में विभिन्न चरों के सापेक्ष निष्कर्ष निकालकर सारॉश प्रस्तुत किया है; जबकि राजेश्वर[5] ने 'भील–मीणा जनजाति' राजस्थान के प्रतापगढ़ जिला के विशेष अध्ययन में न्यादर्शों की पृष्ठभूमि में विभिन्न चरों (यथा: धर्म, जाति, विवाह, शिक्षा, आय) के आधार पर समाजशास्त्रीय अध्ययन किया है जो प्रकाशित भी हुआ है। उक्त तथ्यों को प्रामाणिक मानकर शोध–अध्येता ने भी अवकाश–प्राप्त व्यक्तियों के पार्श्व चित्र का अध्ययन चरों के आधार पर करने का प्रयास किया है; जो इस प्रकार है:

चर तथा तत्सम्बन्धित विश्लेषण

क्रम	चर	चर व तत्सम्बन्धित आवृत्तियाँ (%)				योग
1	धर्म	हिन्दू 367(91.75)	इस्लाम 28(07.00)	अन्य 05(01.25)	–	400 (100.00)
2	जाति	सवर्ण 184(46.00)	पिछड़ी 168(42.00)	अनुसूचित 48(12.00)	–	400 (100.00)
3	शिक्षा	हाईस्कूल 94(23.50)	इण्टरमीडिएट 90(27.50)	स्नातक 136(34.00)	अन्य 16(04.00)	400 (100.00)
4	पृष्ठभूमि	ग्रामीण 184(46.00)	नगरीय 200(50.00)	कस्बाई 16(04.00)	–	400 (100.00)
5	विवाह	अविवाहित 02(00.50)	विवाहित 378(94.50)	अन्य 20(05.00)	–	400 (100.00)
6	आय	50,000+ 18(04.50)	20,000–30,000 140(35.00)	20,000 से कम 242(60.50)	–	400 (100.00)

चर तथा उसके साहचर्य के विश्लेषण के प्रकाश में स्पष्ट है कि धर्म सापेक्ष : 367(91.75%) हिन्दू, 28(07.00%) इस्लामिक तथा अन्य 5(1.25%) जाति सापेक्ष : 184(46.00%) सवर्ण, 168(42%) पिछड़े तथा 48(12%) अन्य चुने गए हैं, जबकि शिक्षा सापेक्ष 94(23.50%) हाईस्कूल, 90(22.50%) इण्टरमीडिएट, 136(34%) स्नातक, 64(16%) परास्नातक तथा 16(4%) अन्य हैं, परिवेश की दृष्टि से 184(46%) ग्रामीण, 200(50%) नगरीय तथा 16(4%) ग्रामीण–नगरीय (कस्बाई) पृष्ठभूमि के हैं; जिनमें से 2(00.50%) अविवाहित, 378(94.50%) विवाहित/दाम्पत्य जीवन यापन करने वाले तथा 20(5%) अन्य (विधुर, विधवा, तलाकशुदा) हैं जबकि समस्त में से 18(4.50%) की पेंशन से आय 50,000 रू0 मासिक से अधिक, 140(35%) की पेंशन से आय 20,000 से 30,000 रू0 मासिक के मध्य पायी गई है और मात्र 242 (60.50%) ऐसे भी सेवानिवृत व्यक्ति है जिन्हें 20,000 रू0 तथा इससे भी कम मासिक पेंशन मिलती है।

सार यह है कि चरों के सापेक्ष निष्कर्ष आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं।

References :

1. Goode W.J. (et.al), A Study of Variables in Social Sciences; Published Article in INJSS, Newyork, 1956.
2. Gupta R.K.; Standard Variables & Conclusions at a Glance. See in Gupta R.K. & Pari K.M.N., Mc-Graw Hill Book Co., Kogakusha, 2011, pp 102-109.
3. Srivastava S.S.; Health Problems Among the slums of Lucknow & Kanpur Cities of U.P., Published Article in International Journal of Social Sciences, Jawahar Nagar, Delhi, 2014, Ank 12, pp 67-75.
4. Jafrool Islam; Socio-Economic Profile of Kanjar Community of Bombay East; Published Ph.D. Thesis Research Publication, Jaipur (Rajasthan), 2017.
5. Rajeshwar Rao, Bhil-Meena : A Tribe residing in Pratapgarh district of Rajasthan – A Ethinic Sociological Study, Unpublished Ph.D. Thesis of Udaipur Vidyapeeth (Raj.)-2019.

✡✡✡✡✡